Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding Bangladeshi infiltrators, increasing conversion of religion and increasing cyber crimes in Jharkhand.

डॉ. निशिकांत दुबे (गोड्डा): अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस की नीतियों के कारण मेरा राज्य झारखण्ड कराह रहा है । एक तरफ तो वह नक्सलवाद से पीड़ित है, आतंकवाद से पीड़ित है, तो दूसरी तरफ बंगलादेशी घुसपैठियों से भी पीड़ित है । पशुपति से तिरुपति तक नक्सलवाद की जो रेखा है, उस रेखा में संथाल परगना नक्सलवादियों का एक ब्रीडिंग ग्राउंड है । चाइना जिस तरह से हमारे देश को तोड़ने का काम कर रहा है, यहां के कुछ लोग एवं कुछ पार्टियां जिस तरह से उसको समर्थन दे रही हैं, उसके कारण से आपको आश्चर्य होगा कि सन् 2014 में मोदी जी के प्रधान मंत्री बनने के पहले, हमारे झारखण्ड के 24 जिलों में से 21 जिले नक्सलवाद से प्रभावित थे । आज वह 11 पर आ गया है । इसके लिए मैं माननीय प्रधान मंत्री जी का, तत्कालीन गृह मंत्री राजनाथ सिंह जी का और वर्तमान गृह मंत्री अमित शाह जी को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने नक्सलवाद पर काफी हद तक काबू पाया है । लेकिन जिस इलाके से मैं हूं, मैं पूरे सदन के ध्यान में, संज्ञान में लाना चाहता हूँ कि मेरा जो संथाल परगना है, उसमें जितने भी जिले हैं, चाहे वह पाकुड़, साहिबगंज, गोड्डा, देवघर, दुमका और जामताड़ा है, वह साइबर क्राइम की राजधानी हो गई है । आज कोई भी ऐसा राज्य नहीं है, जिसकी पुलिस हमारे संथाल परगना में रोज न आए । यह चाइना की एक साजिश है, आईएसआई की एक साजिश है कि इस देश और पूरे के पूरे डिजिटल सिस्टम को खंडित-विखंडित करने के लिए, जिसको माननीय प्रधान मंत्री जी आगे बढ़ाना चाहते हैं, वह साइबर क्राइम का एक अड्डा हो गया है । इस कारण से हम कुछ कर पाने की स्थिति में नहीं हैं ।

दूसरा, आतंकवाद में, चूँकि हमारी सीमा बंगलादेश से जुड़ती है, हमारी सीमा नेपाल से जुड़ती है, हमारी सीमा भूटान से जुड़ती है, ये सारी सीमाएं ऐसी हैं, जिन पर हमारा कोई कंट्रोल नहीं है, क्योंकि काफी ओपन सिस्टम है । एक

तरफ बंगलादेशी घुसपैठिया आ रहा है, दूसरी तरफ धर्मांतरण का इतना जोर है, जो चर्च और मिशनरी है, वह इस तरह की एक्टिविटी करती है, जिसके कारण हमारे बेरोजगार यूथ इस आतंकवाद में शामिल हो गए हैं । इसलिए मेरा आपके माध्यम से आग्रह है कि जो पोलिटिकल पार्टी, कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस जैसी पार्टियां हैं, जो आतंकवाद और नक्सलवाद को बढ़ावा दे रही हैं, इसके ऊपर भारत सरकार को एक व्हाइट पेपर जारी करना चाहिए कि कौन से पोलिटिशियन्स इसमें हैं । दूसरा, साइबर क्राइम का अड्डा हो जाने के कारण यह पूरे देश के लिए एक बहुत बड़ा कारण होने वाला है । मोदी जी पूरी डिजिटल इकोनॉमी की तरफ बढ़ना चाहते हैं, वह सभी एक बड़े स्कैम की तरफ बढ़ेगा, इसलिए एनआईए का एक ऑफिस वहां जरूर होना चाहिए । धर्मांतरण पर एक कानून बनना चाहिए, जिसके कारण झारखंड को मुक्ति मिल पाए । इन्हीं शब्दों के साथ जयहिंद, जय भारत ।